



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY.

भाग III—बाण 1  
PART III—Section 1

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

I 8/2/87

मं. 26]

नई दिल्ली, भारत, विशेष 26, 1986/पौष 5, 1908

No. 26]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 26, 1986/PAUSA 5, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रों की चलती हैं जिससे कि वह अक्षर संकलन के काम में  
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा 269 गी (1)  
के अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1986

निर्देश सं. आई.ए.सा./एक्यू. 6/37/86/3-86/1742:—अतः मुझे,  
जो एस सी गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को बारा 269-ग  
के अधीन साक्षम अधिकारी को यह विवरास करने का कारण है कि  
स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक  
है और जिसको संख्या \_\_\_\_\_ है तथा जो प्लाट नं. 3, तांसरा खंड,  
737 वर्ग, फोट, कम्पनीटी सेंटर, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपायद्वय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 6 नई दिल्ली में भारतीय  
रेजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) /1961 के अधीन  
तारीख मार्च 1986 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
से कम दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये  
विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पश्चात  
अधिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तब पाया गया प्रतिक्रिया, जिसने

लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आवश्यक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
ओर/या [ ]

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिसमें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, डिपार्टमेंट में  
सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं  
उक्त अधिनियम की बारा 269-ब की उपबारा (1) के अधीन निम्न-  
लिखित व्यक्तियों, अधिकृत—

1. मीसरं पंकज एंटरप्राइजिस,  
ई-301, ईस्ट ब्राफ कैलाश, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री. पंकज गुप्ता, मैरिल ट्रस्ट  
13, कम्पनीटी सेंटर, नई दिल्ली । (अन्तरित)

जो यह सूचना आपरी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के लाभेन के लिए कार्यवाही दूर करता है। उक्त सम्पत्ति के घरेन के संबंध में कोई भी आपेक्षणः

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकाधिनियम है, वहीं प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

737 घर्ग कोट, लीसरा बांड, प्रोपोज़ बिल्डिंग,  
प्लाट नं. 3, कम्यूनिटी सेंटर  
श्रीत विहार, दिल्ली ।

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

#### NOTICES UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 24th December, 1986

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE/3-86-1742.—Whereas I, S.C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein-after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Community Centre, Preet Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

2. Pankaj Gupta Marriage Trust  
13, Community Centre,  
New Friends Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the official gazette.

**Explanation:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"737 sq. ft. area on IIrd floor in the proposed building at Plot No. 3, Community Centre Preet Vihar, Delhi."

मिर्देस सं. आई ए.सी./एक्टु. 6/37ई/3/86/1736:—असः न् ति, नी  
एस. सं. आई. प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात्म 'उक्त अधिनियम') कहा गया है की वारा 269-ग  
के अधीन सम्पत्ति व्यक्तियों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट नं. 3 कम्यूनिटी सेंटर, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, तहायक आयकर प्रायुक्त (निरोधण) व्यापार रेंज ३-  
नई दिल्ली में भारतीय रविस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के प्रधोन तारीख मार्च 1986 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक अन्तरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, तिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण 'से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधोन कर देने के अन्तरके के आविष्करण में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीरथा

(घ) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्करण को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट की किया गया था, किया जाना आहिए था, विषये में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के मनुसूचक में, उक्त सम्पत्ति अधिनियम की वारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधोन तिन्नलिखित व्यक्तियों प्रष्टति:—

1. मैर्ली पैकज इंटरप्राइज़िस

E-301, ईस्ट प्रायकेलास, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. विस गुप्ता ई-301, ईस्ट लाक कैलाश, नई दिल्ली।  
(प्रमाणित)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन;

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तारीखन्त्यां अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अधिकारीयों में किसी अधिकता द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़ किसी अन्य अधिकारीय द्वारा, अद्वैतस्माकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लॅट 470 बांग फोट 1, प्रथम बांड, 1 प्रोजेक्ट बिल्डिंग  
प्लाट नं. 3, कम्पनीटो सेंटर,  
प्रीत विहार, दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE-3-86-1736.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Community Centre, Preet Vihar, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 Range, New Delhi on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

2. Miss Poonam Gupta E-301, East of Kailash  
New Delhi.

(Transfereree)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"470 sq. ft. area on 1st floor in the proposed building at Plot No. 3, Community Centre, Preet Vihar, Delhi".

मिवेंग सं. आई. ए. सो./एक्यू. /6/37EE/3-86/1747:—भ्रात भूमि, या; एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अन्तर्गत स्थान अधिकारी की यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांधार भूमि 1,00,000/- रु. से अधिक है और विवाही संस्था—है तथा जो प्लाट नं. 3, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ घनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के काबीलय सहायक आयकर आमूलत (विरोधार्थ) अर्जन रेंज 6 नई दिल्ली में आरतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख तारीख 185 डलर के पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बांधार भूमि से कम से कम दूसरोंनो प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष को गई है और भूमि ये विवाह करने का भारतीय है कि यक्षामुखीत सम्पत्ति का उचित बांधार भूमि, उसके दृष्टव्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृष्टव्यमान प्रतिक्रिया के प्रग्रह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तराली) और प्रमाणिती (प्रमाणितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिलावित उद्देश्य से उक्त स्थावरण लिखित भास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या।

(ग)ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह उक्त अधिनियम के धारा 269-क के प्रमुखरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित प्राप्तियों, अधोनि:—

1. भैरव संकर एंटरप्राइजिस  
ई-301, ईस्ट लाक कैलाश, नई दिल्ली। (प्रनतरक)

2. श्री पंकज गुप्ता, ई-301 ईस्ट लाक कैलाश, नई दिल्ली। (प्रमाणित)

इसी यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

जब जम्मत के नियम के सम्बन्ध में कोई भी वार्ता

- (क) इस दूचना के राखल में ब्राह्मण की तारीख से 45 दिन की अधिक वा तारीखस्थी अविनियम पर दूचना को तारीख से 30 दिन की अधिक वा वा में समाप्त होती हो, के बातार पूर्वान्तर अविनियम में लिखी अविनियम होता;
- (ख) इस दूचना के राखल में ब्राह्मण की तारीख से 45 दिन के बातार उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भाष्य अविनियम होता, याकौहस्तानी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बन्धीकरण**—इसमें प्रमुख बातों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-ए में वज्र परिवर्तित है, वही वर्च होता, जो उक्त अध्याद में दिया या है।

### मनुष्यों

"873 वर्च एट, लीला वाड़,  
प्रीत विहार, लाट नो. 3,  
श्रीत विहार, दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37BE/3-86/1747-Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Preet Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of LT. Act, 1961 IAC Range, New Delhi VI on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferor)

2. Sh. Pankaj Gupta, E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"873 वर्च. फ्ल. on 3rd floor in the proposed building at Plot No. 3, Preet Vihar, Delhi."

विवरण दर. शार्ट. ए. सी. /एम्स. /०/ ग्राह/३-८६/१७४८.—वक्त: दूसरे, जी एम. सी. दूसरा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-ए के अधीन लीला विहारी की यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त अध्याद, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और विसकी लीला लाट नो. 3, है तथा जो श्रीत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उक्तवद्ध मनुष्यों में पूर्व रूप से बताया है), के कायाचिय, लालायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अधीन रें 6, वर्ष विसकी में भारतीय रजिस्टरीक्षण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख यार्च 1986 को प्रमुख सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तित को गई है और युक्ते में विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यरक से हुई किसी भाष्य को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यरक के बायिक में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसा किसी भाष्य या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट 'नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यव उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविनियमों, अधिकतः—

- 1. मैसर्स पर्सन एंटरप्राइजिस  
E-301, इस्ट बॉक कैलाश, नई दिल्ली। (प्रत्यरक)
- 2. विस प्रमुख गुप्ता बैरिज इंस्ट्रुमेंट्स  
ली-422, निम्नलिखित विहार, दिल्ली। (प्रत्यरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाही करता है। उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बद्ध अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्धु किसी अन्य अविकल्प द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पोक्तण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में प्रयोगित हैं, यहाँ अर्थ होगा, जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"702 वर्ग फॉट थोक, प्रथम लाई, प्रोपोज़ बिल्डिंग  
प्लाट नं. 3, प्रीत विहार, कम्युनिटी सेंटर,  
नई दिल्ली।"

तारीख : 24-12-86

मौहर :

ए. सी. गुप्ता, सशम अधिकारी

Ref. No. IAC/Acq. R- VI/37EE/3-86/1748.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, Preet Vihar, Community Centre, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely—

M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash  
New Delhi.

(Transferor)

Miss Poonam Gupta, Marriage Trust, C-422, Nirman Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"702 sq. ft. area on 1st floor in the proposed building at Plot No. 3, Preet Vihar, Community Centre, Delhi".

Dated 24th Dec. 1986.

S. C. GUPTA, Competent Authority

